INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	Micro Teaching Lessons			
1.	Questioning Skills		1-2	
2.	Explaining Skills		3-4	
3.	Probing Question Skill		5-6	
4.	Reinforcement Skill		7-8	
5.	Stimulus Skill		9-10	
2)	Mega Lessons			
1.	निर्धनता		13-15	
2.	बैंकिंग		16-18	
3.	बेरोजगारी		19-21	
4.	लघु और कुटीर उद्योग		22-24	
5.	विदेशी व्यापार		25-27	
3)	Discussion Lesson-I			
	श्रम का महत्व व समस्याएँ		32-35	
4)	School Teaching Practice Lessons			
1.	जन संख्या विस्फोट		38-40	
2.	अर्थव्यवस्था की समस्याएँ		41-43	
3.	केन्द्रीय बैंक, [illegible]		44-46	
4.	यातायात के साधन		47-49	
5.	उत्पादन लागत		50-52	
6.	मुद्रा की धारणाएँ		53-55	
7.	ग्रामीण विकास की समस्याएँ		56-58	
8.	स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रमुख विशेषताएं		59-61	
9.	माँग का नियम		~~62-64~~	
10.	माँग की लोच		65-67	
11.	मानवीय आवश्यकताएँ		68-70	
12.	अर्थव्यवस्था की समस्याएँ		71-73	
13.	पूंजीवादी अर्थव्यवस्था		74-76	
14.				
15.				
16.				
17.				
18.				
19.				
20.				
5)	Discussion Lesson-II			
6)	Observation Lessons			
7)	School Report			

MICRO TEACHING
LESSONS

LESSON No. 1

Date: 26.02.14

Duration of the period: 10-15 min

Pupil Teacher's Name: Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No.: 1309

Class: X

Average Age of the pupils: 15 years

Subject: Economics

Topic: Un employment & its Part

Questioning Skill

Teacher activity	Student activity
1. बच्चों! भारत में अनेक तरह की समस्याएँ हैं, जिनमें बेरोजगारी एक है मुख्य समस्या है क्यों?	क्योंकि बेरोजगारी में व्यक्ति या श्रमिक काम तो करना चाहता है, परन्तु मिलता नहीं
2. क्यों? क्या वे इसके योग्य नहीं है	नहीं, व्यक्ति काम तो करना चाहता है व इसके योग्य भी होता है, परंतु करने के लिए काम नहीं होता।
3. जी हाँ! इसे ही हम बेरोजगारी कहेंगे।	
4. अच्छा बच्चों! अब आप ये बताइए की बेरोजगारी को हम कितने भागों में बांट सकते हैं?	पाँच भागों में
5. कौन-कौन से	1. संरचनात्मक बेरोजगारी 2. संघर्षात्मक बेरोजगारी 3. मौसमी बेरोजगारी

Teacher activity	Student activity
	4. तकनीकी बेरोजगारी 5. छिपी हुई बेरोजगारी
6. बहुत अच्छा! अभी आप बताइए संरचनात्मक बेरोजगारी किसे कहते हैं?	अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक में परिवर्तन होने से जो बेरोजगारी उत्पन्न होता है।
7. कैसे! उदाहरण दीजिए	जैसे: श्रम प्रधान तकनीक के स्थान पर पूंजी प्रधान तकनीक के प्रयोग से उत्पन्न बेरोजगारी
8. संघर्षात्मक बेरोजगारी किसे कहेंगे?	वह जो गतिशील अर्थव्यवस्था में नौकरी बदलने या दीर्घकालीन श्रम के फलस्वरूप उत्पन्न होती है।
9. बहुत अच्छा! अभी आप बताइए मौसमी और छिपी हुई बेरोजगारी में क्या अंतर है?	जो बेरोजगारी मौसम में परिवर्तन से होती है उसे मौसमी बेरोजगारी कहेंगे। और जो आवश्यकता से अधिक श्रमिक होते हैं उन्हें हटा दिया जाता है, जिससे उत्पादन पर कोई फर्क न पड़े तो हटा दिए

Teacher activity	Student activity
शाबाश बच्चों	आकृतियों को दिये हुए बेरोगार कहा जाएगा

पर्यवेक्षण तालिका

Telly	Components behaviour	Rating scale
हाँ / नहीं	अनुबोधन	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	अधिक सूचना प्राप्ति	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	पुनः केन्द्रण	0 1 2 (3) 4 5 6
हाँ / नहीं	पुनः निर्देशन	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	समीक्षात्मक अभिज्ञान में वृद्धि	0 1 2 3 (4) 5 6

Teacher activity	student activity
जिस देश या वर्ग के लोगों का जीवन निर्वाह स्तर नीचा होता है वे उच्च निर्वाह स्तर के लोगों या देश की तुलना में गरीब या सापेक्ष रूप से निर्धन माने जाते हैं। निरपेक्ष निर्धनता:- निरपेक्ष निर्धनता से अभिप्राय किसी देश की आर्थिक अवस्था को ध्यान में रखते हुए निर्धनता के माप से है।	
अभी आप बताइए निर्धनता किसे कहते हैं?	निर्धनता से अभिप्राय है जीवन के लिए न्यूनतम उपभोग आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता
निर्धनता रेखा क्या है? इससे अभिप्राय उस बिन्दु से है (सामान्यतः प्राप्ति आमदनी व्यय के रूप में) जो किसी क्षेत्र के लोगों को निर्धन तथा अनिर्धन में विभाजित करता है। उदाहरण के लिए 500 रु० प्रति	

Teacher activity	Student activity
माना प्रति व्यक्ति व्यय का सीमा बिन्दु मान लिया जाए तब उससे व्यय करने वाले को निर्धन तथा उससे अधिक व्यय करने वाले को अनिर्धन कहा जाएगा।	
क्या निर्धन रेखा सीमा का निर्धारण आय के रूप में किया जाना चाहिए अथवा उपभोग के रूप में?	निर्धनता रेखा सीमा का निर्धारण आय के रूप में अथवा उपभोग के रूप में।
निरपेक्ष निर्धनता रेखा क्या है?	निर्धनता रेखा वह रेखा है जो प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय को प्रकट करती है जिसके द्वारा लोगों को अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को संतुष्ट कर सकते हैं
बहुत अच्छा बच्चों!	

observation

Telly	Decomponent behavior	Rating scale
हाँ / नहीं	उपयुक्त प्रारंभिक कथनों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	उपयुक्त शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ / नहीं	व्याख्या युक्तियों का प्रयोग	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	आवश्यक बिंदुओं पर ध्यान देना	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ / नहीं	भाषा प्रवाह	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ / नहीं	भाषा में निरंतरता	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ / नहीं	प्रश्नों का पूछना	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ / नहीं	निरर्थक प्रश्नों का प्रयोग	(0) 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	कथनों में निरंतरता का अभाव	(0) 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	भाषा प्रवाह का अभाव	0 (1) 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	प्रश्नों का पूछना	0 (1) 2 3 4 5 6

LESSON No. 03

Date 31.02.14 | Duration of the period 25 मीनट

Pupil Teacher's Name Md. Wahidullah. | Pupil Teacher's Roll No. 1309

Class IX | Average Age of the pupils 14 yrs

Subject Economics | Topic लघु एंव कुटीर उद्योग

उद्दीपन कौशल

Teacher activity	Student activity
लघु एंव कुटीर उद्योगों से आप क्या समझते हैं?	एक ऐसा उद्योग जो कम पूंजी में, घर के सदस्यों की मदद से घर में ही चलाया जाए, उसे कुटीर उद्योग कहते हैं।
कोई उदाहरण दीजिए।	हस्तकला उद्योग, खादी उद्योग दरी चादर बनाने का कारखाना तथा लुधियाना में हो होजरी के कारखाने।
शाबाश। हम, लघु व कुटीर उद्योगों की समस्याओं के बारे में पढ़ेंगे। कुटीर एंव लघु उद्योगों को कच्चा माल पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो उसकी क्वालिटी बहुत ही घटिया होती है और वह मिलता भी है बहुत ऊंची कीमतों पर।	
कच्चा माल कैसे कुटीर एंव लघु उद्योगों के लिए समस्या	इन उद्योगों को कच्चा माल महँगा व पर्याप्त

Teacher Activity	Student Activity
का कारण है?	मात्रा में न मिलने से इनके लिए बहुत बड़ी समस्या खड़ी कर देती है
वित्त की समस्या भी लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि गिरवी रखने के लिए इनके पास पर्याप्त संपत्ति नहीं होती जिसके आधार पर बैंकों व वित्तीय संस्थाओं से ऋण लिया जाए। अब आप बताइए कि इन उद्योगों के सामने वित्त की समस्या कैसे आती है?	क्योंकि इन उद्योगों के पास ऋण लेने हेतु जमानत देने के लिए उचित मात्रा में संपत्ति का अभाव पाया जाता है
ठीक है बच्चों। इन उद्योगों में उत्पादन के पुराने तरीकों का प्रयोग किया जाता है, जिससे इन उद्योगों की उत्पादकता कम होती है। उत्पादन के पुराने ढंग कैसे लघु एवं कुटीर उद्योगों के लिए समस्या का कारण है?	पुराने तरीके से उत्पादकता कम होती है जिससे उत्पादन कम एवं घटता है

Teacher Activity	Student Activity
कुटीर एवं लघु उद्योगों की लागत भी अधिक होती है। क्योंकि कच्चा माल एवं ऋण महँगा मिलता है, क्योंकि उद्योगों को ऋण, कच्चा माल अधिक मूल्य पर मिलता है। ~~इन~~ इन उद्योगों के माल की कीमत भी ~~प्राय.~~ ऊँची होती है क्यों?	कुटीर एवं लघु उद्योगों की लागत ऊँची क्यों होती है? क्योंकि लागत अधिक होगी, तो कीमत भी अधिक होगी

Obsewation

Telly	Component behaviour	Rating scale
हाँ/नहीं	संचालन	0,1,2,3,4,(5),6
हाँ/नहीं	हाव-भाव	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ/नहीं	आवाज में परिवर्तन	0 1 2 3 (4) 5 6
हाँ/नहीं	केन्द्रण	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ/नहीं	अंतः क्रिया शैली में परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
हाँ/नहीं	मौन विराम	0 1 2 3 4 5 6
हाँ/नहीं	मौखिक दृश्य बदलाव	0 1 2 3 4 5 6
हाँ नहीं	विद्यार्थियों की क्रियात्मक बदलाव	0 1 2 3 4 5 6

LESSON No. 04

Date 03·07·14 — Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Wahiullah — Pupil Teacher's Roll No. 1309

Class IX — Average Age of the pupils 14 yrs

Subject Economics — Topic Demand Rule

Skill of Illustration

Teacher activity	Student activity
छात्रों! तुम अपनी जरूरत की पूर्ति हेतु क्या करते हो?	वस्तुएँ खरीदते हैं।
अर्थशास्त्र में खरीदने को तुम क्या कहते हो?	माँग
माँग क्या है? माँग से अभिप्राय है कि एक निश्चित कीमत पर उपभोक्ता वस्तु की जितनी माँग खरीदने को इच्छुक व योग्य होगा। जैसे की:- आइसक्रीम की कीमत 5 Rs प्रति आइसक्रीम है। इस पर उपभोक्ता 10 आइसक्रीम को खरीदना चाहता है तो उसे 10 आइसक्रीम की माँग कहा जाएगा।	

Teacher activity	Student activity
माँग का कोई अन्य उदाहरण दीजिए।	जैसे :- एक व्यक्ति 48 Rs दर में प्रति K० ग्र 2 kg सेब खरीदना चाहता है तो उसे 2 kg की सेब की माँग कहा जाएगा।
जब कीमत कम होती है तो अधिक माँग करना है और यदि कीमत अधिक है तो माँग कम करते हैं। इस नियम को हम माँग का नियम कहते हैं। जैसे :- आइसक्रीम की कीमत 5 Rs प्रति इकाई से बढ़कर 7 Rs प्रति इकाई होने पर क्रेता इस वस्तु की माँग 50 unit से घटा कर 30 unit पर करने लगते हैं।	
बच्चों! तुम आप अन्य उदाहरण दीजिए	यदि चावल 15 Rs kg से बढ़कर 30 Rs kg हो जाती है तो माँग

Teacher activity	student activity
	50 Rs से घट कर 20 Rs हो जाएगी।
अब आप बताइए की माँग किसे कहते हैं?	माँग से हमारा अभिप्राय है की एक निश्चित कीमत पर उपभोक्ता वस्तु की जितनी माँग खरीदने का इच्छुक व योग्य होगा।

Observation

Telly	Component behaviour	Rating scale
हाँ / नहीं	उदाहरणों की सार्थकता	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	उदाहरणों की सरलता	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	उदाहरणों की रोचकता	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	माध्यमों की उपयुक्तता	0 1 2 3 4 5 6
हाँ नहीं	आगमन एवं निगमन विधि की उपयोगिता।	0 1 2 3 4 5 6

LESSON No. 05

Date 05.03.14

Duration of the period 30 मीनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah.

Pupil Teacher's Roll No. 1309

Class IX

Average Age of the pupils 14 years

Subject Economics

Topic निर्धनता

Renforcement skill

Teacher activity	student activity
बच्चों! हमारे देश में निर्धनता के क्या कारण हैं? और क्या कारण हो सकते हैं?	पूंजी की कमी, अधिक जनसंख्या
ठीक है! आज हम, निर्धनता के कारणों के बारे में जानेंगे-	
भारत में निर्धनता की समस्या तथा इसके कारणों की विवेचना को दो भागों में बाँटा जा सकता है:— (i) अल्पविकसित अर्थव्यवस्था (ii) आय का असमान वितरण	
भारत की अर्थव्यवस्था का अल्प-विकसित होना निर्धनता का प्रमुख कारण है। अब हम अल्पविकसित और जनसमूह की निर्धनता पर प्रकाश डालते हैं:—	

(1) राष्ट्रीय उत्पाद का निम्न स्तर भारत का कुल राष्ट्रीय उत्पादन जनसंख्या की तुलना में काफी कम है। क्यों? भारत की शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन 2004-05 में इसी वर्ष की कीमतों के आधार पर 25,35,627 करोड़ रुपये था।	क्योंकि प्रति व्यक्ति आय भी कम होती है।
तो आप बताइए 2004-2005 में प्रति व्यक्ति आय क्या थी?	उनकी प्रति व्यक्ति आय 23,24,20 थी
रही है। जो U.N.O द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बहुत अधिक निर्धन देशों की है।	
(2) विकास की कम दर:- भारत की पंचवर्षीय योजनाओं में विकास की दर बहुत कम रही है। योजनाओं की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर	

लगभग 4% रही है। परंतु जनसंख्या वृद्धि दर लगभग 2% होने से प्रति व्यक्ति आय में, वृद्धि केवल 2-4 प्रतिशत हो गई।

इस लिए जनसंख्या वृद्धि दर की तुलना में विकास की दर बहुत बढ़ रही है।

(ख.) जनसंख्या का आर्थिक दबाव:- भारत की जनसंख्या अत्यंत द्रुतगति से बढ़ रही है, इस वृद्धि के कारण पिछले कई वर्षों से, मृत्यु दर को तो कम हो जाना पर जन्म दर लगभग ~~स्थिर~~ स्थिर रहना।

अब आप बताइए या कोई उदाहरण दीजिए-

जैसे:- जनसंख्या की वृद्धि की यह दर जो 1941-51 में 1% थी बढ़कर 1991-92 में 2% हो गई।

बहुत अच्छा!

इसके अतिरिक्त और क्या सिद्ध हो सकते हैं?

(1) स्फीतिक दबाव
(2) पूंजी की अपर्याप्तता
(3) पुरानी सामाजिक संस्थाएं आदि।

ठीक है, बच्चों! आगे हम कल पढ़ेंगे।

Observation

Telly	Component behaviour	Rating scale
हाँ / नहीं	सकारात्मक शाब्दिक	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	सकारात्मक अशाब्दिक	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	सकारात्मक शाब्दिक	0 1 2 3 4 5 6
हाँ / नहीं	सकारात्मक अशाब्दिक	0 1 2 3 4 5 6

MEGA TEACHING LESSONS

LESSON No. 01

Date: 15.04.14

Duration of the period: 25 minut

Pupil Teacher's Name: Md. Waleullah

Pupil Teacher's Roll No.: 1309

Class: IX

Average Age of the pupils: 15 years

Subject: Economics

Topic: Globlisation of Indian Eco.

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

~~(क) ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- (i) विद्यार्थी वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में जान जाएँगे

(ii) विद्यार्थी निवेश, आयात-निर्यात, विश्व-व्यापार, संगठन के प्रत्यास्मरण हो जाएँगे

~~(ख) बोधात्मक उद्देश्य~~ :- (i) विद्यार्थी विदेशी निवेश, विदेशी व्यापार आदि के बारे में बताने योग्य हो जाएँगे

(ii) विद्यार्थी विश्व व्यापार संगठन, मुक्त व्यापार के बारे में बताने योग्य हो जाएँगे

~~(ग) अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- ~~(i) विद्यार्थी वैश्वीकरण और इसके प्रमुख कारकों से परिचित हो गए हैं,~~

(ii) विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था से परिचित हो गए हैं

~~(घ) कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- (i) विद्यार्थी निवेश, विदेशी निवेश वैश्वीकरण, उदारीकरण आदि का संश्लेषण करने योग्य हो गए हैं

सहायक सामग्री :-

चाक, श्यामपट्ट, डस्टर, संकेतक, चार्ट

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-

Teacher Activity	Student Activity
1. बच्चों! कोई वस्तु हम खरीदते हैं, तो उसे क्या कहेंगे?	क्रय करना
2. और यदि वस्तु बेचेंगे तो उसे क्या कहेंगे?	विक्रय
3. और एक देश दूसरे देश से वस्तुएँ खरीदेगा तो उसे क्या कहेंगे?	
4. ~~आदि पर~~ अच्छा भूमि, भवन, मशीन, आदि पर किए गए खर्च को क्या कहेंगे?	

उद्घोषणा :—

अच्छा बच्चों! आज हम वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में जानेंगे जिसमें आप आयात-निर्यात, निवेश, आधुनिक व्यापार आदि के बारे में पढ़ेंगे

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	
बहुराष्ट्रीय कंपनी	अच्छा बच्चों! आप ये बताइए की कंपनी कोई भी क्या कार्य करती है?	वस्तुओं का उत्पादन करती है और नियंत्रण करती है।	बहुराष्ट्रीय कंपनी का अर्थ व परिभाषा
	बहुत अच्छा! बहुराष्ट्रीय कंपनी क्या है? बहुराष्ट्रीय कंपनी वह है जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है।		
निवेश	जब कोई भी भवन, भूमि, मशीन आप खरीदते हो उसे क्या कहेंगे? और जो व्यय हुआ है अर्थात जो मुद्रा उसमें व्यय की है उसे क्या कहेंगे?	क्रय करना	निवेश क्या है? जैसे:- आप भूमि, मशीन खरीदते हैं
	उसे हम निवेश कहेंगे। अच्छा बच्चों! बताइए की निवेश और क्रय में क्या अंतर है?	जो वस्तु हम खरीदते हैं उसे क्रय कहेंगे और खरीदते समय जो मुद्रा व्यय हुआ है उसे निवेश कहेंगे।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएं	(श्यामपट्ट)
	जैसे:- चावल, गेहूँ, कपड़ा, व अन्य खनीज पदार्थ अन्य देशों में भेजे जाते हैं उसे हम निर्यात कहते हैं। अभी आप बतायें की आयात- निर्यात किसे कहते हैं?	जिसमें एक देश द्वारा दूसरे देश से सामान खरीदा जाता है उसे आयात कहेंगे। और जो वस्तु दूसरे देशों में भेजी जाती है, उसे हम निर्यात कहेंगे।	जैसे:- चावल गेहूँ कपड़ा
आश्रित व्यापार	बहुत अच्छा!		
आश्रित व्यापार	आश्रित व्यापार किसे कहते हैं? भारत का विदेशी व्यापार बीमा, कंपनियों बैंक, जहाज कंपनियों पर आश्रित है।		आश्रित व्यापार एवं मुक्त व्यापार
मुक्त व्यापार	मुक्त व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है, उसे मुक्त व्यापार कहते हैं।		

अब आप बताइए की मुक्त व आश्रित व्यापार क्या है?	आश्रित:- जैसे व्यापार बैंक, बीमा पर आश्रित है। मुक्त- जो व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है।	आश्रित जैसे:- व्यापार बैंक बीमा पर आश्रित है

पुनरावृत्ति :-

(1) आयात किसे कहते हैं?
(2) निर्यात किसे कहते हैं?
(3) आश्रित व्यापार क्या है? को उदाहरण दो।

गृहकार्य :-

जो भी आपको अभी आयात-निर्यात और अर्थशास्त्र आपको करवाया है उसे आप Note book में write करके लाएंगे।

LESSON No. 02

Date 17.04.14 | Duration of the period 30 minute

Pupil Teacher's Name Md. Wakilullah | Pupil Teacher's Roll No. ....

Class IX | Average Age of the pupils 15 years

Subject Economics | Topic Development Experience

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

(i) विद्यार्थी भारत, पाकिस्तान, तथा चीन के विकास अनुभव को समझ जाएँगे

(ii) विद्यार्थी भारत, पाकिस्तान और चीन के तुलनात्मक अध्ययन में प्रत्यास्मरण हो जाएँगे

(i) विद्यार्थी GDP दर में वृद्धि के बारे में बताने योग्य हो जाएँगे

(ii) विद्यार्थी वृद्धि की संरचना (उत्पाद एवं रोजगार में क्षेत्रीय भागीदारी) आदि के बारे में बताने योग्य हो जाएँगे।

~~(i) विद्यार्थी वृद्धि दर से परिचित हो गए हैं~~

(ii) विद्यार्थी वृद्धि की संरचना की तालिका से परिचित हो गए हैं।

विद्यार्थी GDP व GLF का संकलन करने योग्य हो गये

सहायक सामग्री :-

चाक, बोर्ड, डस्टर, मॉडल, चार्ट व संकेतक आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	Student activity
भारत के पड़ोसी देश कौन से हैं?	पाकिस्तान और चीन।
GDP वृद्धि दर क्या है?	चीन का निर्यातोन्मुखी विनिर्माण इसकी आर्थिक वृद्धि का एक मूल प्रचालक है
GLF क्या है? यह कब शुरू हुआ? वृद्धि की संरचना क्या है?	Great Leap forward
उद्देश्य कथन: वृद्धि की संरचना अर्थात चीन का विकास अनुभव तुलनात्मक अध्ययन	आज हम वृद्धि दर, भारत, पाकिस्तान तथा चीन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छात्र-अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
भूमिका	भारत, पाकिस्तान तथा चीन पड़ोसी देश हैं। ये सभी देश वृद्धि और विकास के पथ पर लगभग 70 वर्षों से चल रहे हैं। लेकिन सफलता व असफलता इन देशों के लिए अलग-अलग स्थान रखता है।	GDP दर की भूमिका
GDP दर में वृद्धि	1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत तथा पाकिस्तान ने नियोजित विकास कार्यक्रम की शुरुआत की। 1958 में GLF अभियान शुरू हुआ जो अर्थव्यवस्था का औद्योगिकीकरण करने के ऊपर केन्द्रित था। कृषि उत्पादन की कम्यून पद्धति को लाया गया। यह सामूहिक कृषि की एक पद्धति है।	G.D.P की दर वृद्धि

Teaching Point	Teacher activity	student activity	Blackboard
	अब आप बताइए की GLF कब शुरू हुआ इसके अंतर्गत क्या किया गया?	1958 में। लोगों को घरेलू उद्योग शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।	
महान सर्वहारा क्रांति	बहुत अच्छा! 1965 में, महान सर्वहारा वर्ग सांस्कृतिक क्रांति की शुरुआत हुई। इस क्रांति ने छात्र तथा पेशेवर लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों के साथ काम करने व सीखने के लिए बाध्य किया। चीन ने राष्ट्रवाद को विकास के एक मॉडल के रूप में अपनाया, जिसमें सभी संपत्ति का मालिक राष्ट्र है		महान सर्वहारा क्रांति
	अभी आप बताइए 1965 में कौन-सी क्रांति हुई	सर्वहारा क्रांति	1965 में कौन सी क्रांति हुई

very Good!

	सर्वहारा क्रांति किसे कहते हैं।	इसमें पेशेवर लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों के साथ काम करने और सीखने के लिए बाध्य किया।
वृद्धि की संरचना	ठीक है विकास प्रक्रिया परिवर्तन के साथ-साथ चलती है जो उत्पाद एवं रोजगार की क्षेत्रीय भागीदारी में परिवर्तन को दर्शाती है अतः वृद्धि और विकास की प्रक्रिया का फैलाव होता है।	

वृद्धि की संरचना भारत व पाकिस्तान में

वृद्धि की संरचना (भारत, पाकिस्तान तथा चीन)

क्षेत्र	GDP का भारत	पा०	चीन
प्रा०	23	23	15
द्वितीयक	26	23	53
तृतीयक	51	54	32

रोजगार में % भाग

	In	P	ch
प्रा०	60	49	54
द्वि०	16	18	27
तृ०	24	23	14

पुनरावृत्ति :—

1. GDP क्या है?
2. 1965 में कौन-सी क्रांति हुई?
3. GLF अभियान कब शुरु हुआ?
4. भारत के पड़ोसी देश कौन कौन से है

गृहकार्य : —

GDP दर में वृद्धि और वृद्धि की संख्या के बारे में Note book पर Write व Learn करके आयेंगे ठीक बच्चों

LESSON No. 03

Date 19.04.14 — Duration of the period 25 mint

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah — Pupil Teacher's Roll No. 1309

Class IX — Average Age of the pupils 14 yrs

Subject Economics — Topic भारत में जनसंख्या विस्फोट

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

1. ~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ — (i) छात्र देश की जनसंख्या की स्थिति को समझ जाएँगे।
   (ii) छात्र देश की बढ़ती जनसंख्या के कारणों को समझ जाएँगे।

2. ~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र देश में बढ़ती जनसंख्या से परिचित हो गए हैं।

3. ~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र देश में बढ़ती जनसंख्या को रोकने हेतु सुझाव दे पाएँगे।

4. ~~विश्लेषणात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र पूरी तरह से जनसंख्या पर विश्लेषण करने योग्य हो गए हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री:- चार्ट, श्यामपट्ट, चाक, झाडन, संकेतक, मॉडल आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-

Teacher activity	Student activity
हमारे देश की प्रमुख समस्या कौन-कौन सी है?	निर्धनता, बेरोजगारी, जनसंख्या-विस्फोट
जनसंख्या विस्फोट का क्या अर्थ है?	जनसंख्या में तेजी से वृद्धि को ही जनसंख्या विस्फोट कहते हैं।

Teacher activity	student activity
जनसंख्या विस्फोट कम करने के क्या उपाय है? जनसंख्या विस्फोट के क्या कारण है	

उपविषय की घोषणा :-

छात्रों आज हम जनसंख्या विस्फोट, उसके कारण व कम करने के उपायों का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

Teaching Point	Teacher Activity	student Activity
परिचय	स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत की जनसंख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई। 1951-1961 की शताब्दी में भारत जनसंख्या में 7 करोड़ 82 लाख की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि 21.6% की दर से हुई जो पिछले 40 वर्षों में होने वाली वृद्धि की दर से बहुत अधिक है।	भारत में जनसंख्या विस्फोट का कारण.

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black Board
	अब आप बताइए कि 1951-1961 में जनसंख्या में कितनी वृद्धि हुई?	7 करोड़ 82 लाख	
जनसंख्या विस्फोट	जनसंख्या में इतनी तेजी से वृद्धि को जनसंख्या विस्फोट कहते हैं। 1951 से जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है इसलिए भारत की मुख्य समस्या, जनसंख्या का तीव्र गति से ~~बढ़ना है और दूसरी ओर जनसंख्या~~ की निर्धनता की समस्या है।		वृद्धि दर में कितना अंतर है
	राहुल तुम बताओ कि जनसंख्या विस्फोट किसे कहते हैं?	जनसंख्या में बहुत तेजी से हो रही वृद्धि को जनसंख्या विस्फोट कहते हैं।	

Teaching Point	Teacher activity	student activity	~~Black board~~
जनसंख्या विस्फोट के कारण	जनसंख्या विस्फोट के मुख्य दो कारण है! — (i) जन्मदर में अधिकता (ii) मृत्यु दर में कमी		
जन्म दर अधिक होने के कारण	जन्म दर अधिक होने के निम्नलिखित कारण है! — (i) प्राकृतिक कारण (ii) कृषि व्यवसाय (iii) ग्रामों की प्रधानता (iv) पुत्र प्राप्ति भाव में धार्मिक भाई (v) विवाह की व्यापकता (vi) बाल विवाह (vii) धार्मिक विचार (viii) निरक्षरता (ix) भाग्यवाद (x) निर्धनता (xi) सामाजिक विचार (xii) संयुक्त परिवार प्रणाली		

	अब आप बताइए की बाल विवाह कैसे जनसंख्या में वृद्धि का कारण है?	क्योंकि कम उम्र में ही विवाह कर दिया जाता है और वह कम उम्र में ही शिशु-दर में वृद्धि हो जाती है।	संख्या वृद्धि और निर्धनता का कारण.
	और निर्धनता इसका कारण कैसे है?	क्योंकि जो परिवार निर्धन व गरीब होता है उसे न तो शिशु वृद्धि दर से होने वाली हानियों की जानकारी होती है और न अन्य ऐसे कारणों की	
मृत्यु दर में कमी के क्या कारण है अर्थात मृत्यु दर की कमी के कारण	बहुत अच्छा बच्चों मृत्यु दर में कमी के निम्न कारण है:- (i) महामारी कम होना (ii) जनसंख्या का नगरों में बसाना (iii) देरी से विवाह (iv) चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाना (v) प्रसूति गृह की सुविधाएँ		मृत्यु दर में कमी के कारण जैसे:- महामारी कम होना

पुनरावृत्ति :—

(1) जनसंख्या विस्फोट किसे कहते हैं?
(2) जनसंख्या वृद्धि के कारण बताइए।
(3) जनसंख्या अर्थात मृत्यु दर कम करने के कारण बताइए।

गृहकार्य :—

(1) जनसंख्या विस्फोट पर नोट लिखकर लाना है।
(2) इसके कारण को समझाइए।
(3) इसके निवारण पर नोट प्रस्तुत करना।

LESSON No. 04

Date 25-05-14

Duration of the period 25 minute

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. 1309

Class IX

Average Age of the pupils 13-14 years

Subject Economics

Topic Poverty

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- (i) विद्यार्थी निर्धनता के विषय में जान जाएँगे

(ii) विद्यार्थी निर्धनता की समस्या से प्रत्यास्मरण हो जायेंगे

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी निर्धनता के प्रकारों को जान जाएँगे

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ ~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी निर्धनता को दूर करने के कारणों का निवारण अपनी सूझ-बूझ से कर सकेंगे

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- ~~विद्यार्थी~~ निर्धनता के साथ-साथ दूसरी समस्याओं पर भी विचार करने योग्य हो गए हैं

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक, मॉडल

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-

Teacher activity	Student activity
हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ क्या हैं ?	रोटी, कपड़ा और मकान

(2) जो व्यक्ति अपने सीमित साधनों के द्वारा इन आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता वह व्यक्ति क्या कहलाता है? सरकार द्वारा निर्धनता उन्मूलन हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?	गरीब, निर्धन व्यक्ति।

उपविषय की घोषणा :- विद्यार्थी आज हम, निर्धनता, उसके कारण, तथा दूर करने के उपाय व इनके प्रकारों के बारे पढ़ेंगे।

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	~~Black Board~~
निर्धनता	'निर्धनता से अभिप्राय है जीवन स्वास्थ्य तथा कार्य कुशलता के लिए न्यूनतम उपभोग आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता इन न्यूनतम आवश्यकताओं में रोटी, कपड़ा मकान, शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताएं आती है। निर्धनता स्वयं ही कई अपने आप को जन्म देती है और स्वयं ही कई गुणा होती चली जाती है।' दादा भाई नौरोजी ने तो निर्धनता को जेल में रखने की लागत स्वीकार की है।		निर्धनता का अर्थ बताओ 1. आपेक्ष निर्धनता 2. निरपेक्ष निर्धनता
	अभी आप बताइए कि निर्धनता किसे कहते हैं?	निर्धनता से अभिप्राय न्यूनतम आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता है।	

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
निर्धनता के प्रकार	निर्धनता दो प्रकार की होती है :- (i) सापेक्ष निर्धनता (ii) निरपेक्ष निर्धनता सापेक्ष निर्धनता :- सापेक्ष निर्धनता से अभिप्राय विभिन्न वर्गों, देशों या दूसरे देशों के बीच तुलनात्मक अध्ययन है। जिसका स्तर ऊँचे रहन-सहन वाले लोगों के स्तर से निम्न है। उन्हें निर्धन कहते हैं। UNO की एक रिपोर्ट में जिनकी वार्षिक आय 335 डालर से कम है। वह निर्धन है। भारत में प्रति व्यक्ति आय 330 डालर तथा USA में 34870 डालर है।		निर्धनता के प्रकार
	पुनीत तुम बताओ कि भारत में प्रतिव्यक्ति आय कितनी है?	330 डालर	

	और भारत में प्रति व्यक्ति भाग कितनी है?	34870 डालर	
	very good!		निर्धनता के प्रमुख कारण
निरपेक्ष निर्धनता	यह उस वर्ग को संबोधित करती है, जिनके पास न्यूनतम आवश्यकताएं नहीं हो। इसके मापन की दो विधियाँ हैं:- (i) न्यूनतम कैलोरीज (ii) न्यूनतम उपभोग विधि		
	(i) अभी आप बताइए की निरपेक्ष निर्धनता मापन की कितनी विधियाँ हैं? (ii) कौन-कौन सी?	दो विधियाँ (i) न्यूनतम कैलोरिज (ii) न्यूनतम उपभोग विधि।	निर्धनता को दूर करने के उपाय
निर्धनता को दूर करने के उपाय	बहुत अच्छा बच्चों, निर्धनता को दूर करने के लिए हमें निम्न पर नियंत्रण करना होगा (i) जनसंख्या पर नियंत्रण		

	(ii) आर्थिक विकास की ऊंची दर (iii) आय का समान वितरण (iv) मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण (v) रोजगार में वृद्धि (vi) कृषि का विकास (vii) वितरण की समानता क्या आप कोई उदाहरण दे सकते हैं?	लघु व कुटीर उद्योगों का विकास।	

पुनरावृत्ति :— जब व्यक्ति के द्वारा अपने न्यूनतम उपभोग की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती है तब उस स्थिति को हम निर्धनता कहते हैं। जिसे सरकार ने दूर करने के लिए भी कदम उठाए हैं।

गृह कार्य :—

(i) निर्धनता का अर्थ व परिभाषा बताइए
(ii) निर्धनता के प्रकार बताइए।
(iii) निर्धनता के कारण व समाधान बताइए।

LESSON No. 05

Date 28-05-14

Duration of the period 25 minute

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ~~13-14 yrs~~

Class IX

Average Age of the pupils 13-14 yrs

Subject Economics

Topic Banking (Trade Bank)

अनुदेशात्मक उद्देश्य :—

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :— (i) छात्र बैंकिंग क्रियाओं के बारे में जान जाएँगे
(ii) छात्र बैंक की गतिविधियों से प्रत्यास्मरण हो जाएँगे

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ ! — (i) बैंक के प्रकारों से छात्र परिचित हो जाएँगे

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ ! — छात्र अपनी पूँजी को सुरक्षित कैसे रखेंगे समझ जाएँगे

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ ! — विद्यार्थी पूँजी सुरक्षित रखने के साथ-साथ उन्हें प्रयोग करना भी जान गए हैं

शिक्षण सहायक सामग्री :— श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, चार्ट, संकेतक आदि

पूर्व ज्ञान परीक्षण :—

Teacher activity	Student activity
बैंक क्या है?	बैंक वह संस्था है जो हमारी जमा को स्वीकार करता है तथा उस पर ऋण देता है

आप ऋण कहाँ से प्राप्त करते हैं? बैंक के क्या-क्या कार्य हैं?	बैंक से।

उपविषय की घोषणा:- विद्यार्थी आज हम बैंक क्या है? और उसके कार्यों के बारे में पढ़ेंगे।

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	~~Black board~~
	व्यापारिक बैंक वह वित्तीय संस्था है जो लोगों के रुपयों को अपने पास जमा के रूप में स्वीकार करती है और उद्योग निवेश के लिए उधार देते हैं। भारतीय बैंकिंग नियम:- बैंकिंग कंपनी वह है जो ~~उधार~~ उधार देने अथवा निवेश के		

उद्देश्य से, जमा रूप में
जनता से मुद्रा स्वीकार करना
और इनका भुगतान माँगने
पर चैक, ड्राफ्ट, आदेश या
अन्य किसी प्रकार के से
भुगतान करना है।

व्यापारिक बैंक का अर्थ

अभी आप बताइए की बैंक एक कैसी संस्था है?	व्यापारिक एवं वित्तीय संस्था है।
very good	
बैंक हमें भुगतान कैसे कर सकती है?	चैक, ड्राफ्ट या cash द्वारा।

व्यापारिक बैंक के प्रकार

ठीक है।
व्यापारिक बैंक को मुख्यत:
तीन भागों में विभाजित
किया जाता है :-
(i) मुख्य कार्य
(ii) गौण कार्य
(iii) सामाजिक कार्य

व्यापारिक बैंक के प्रकार

मुख्य कार्य	बैंक के दो मुख्य कार्य हैं:- (i) जमा स्वीकार करना (ii) ऋण देना	बैंकों के मुख्य कार्य
जमा स्वीकार करना	बैंक जनता की जमा को स्वीकार करते हैं, जैसे:- निश्चितकालीन या सावधि जमा खाता, चालू जमा खाता, आवर्ती जमा खाता इत्यादि।	
ऋण देना	बैंक निम्नलिखित प्रकार से ऋण देता है:- (i) नकद साख, ओवर-ड्राफ्ट, मांग ऋण सावधि ऋण तथा अल्पावधि ऋण आदि।	
	प्रश्न: तुम बताओ कि बैंक के मुख्य कार्य क्या हैं?	(i) जमा स्वीकार करना (ii) ऋण देना

	बैंकों को कितने भागों में बांटा गया है? और कौन-कौन से —	तीन भागों में (i) मुख्य कार्य (ii) गौण कार्य (iii) सामाजिक कार्य	1. गौण कार्य 2. सामाजिक कार्य
	बहुत अच्छा बच्चों।		
साख निर्माण	आज कल बैंकों का मुख्य कार्य साख निर्माण प्रारंभिक जमा से अधिक रुपया देकर साख का निर्माण करता है।		
गौण कार्य	एजेन्ट के रूप में कार्य बैंक ग्राहक के एजेंट के रूप में कार्य करता है जैसे- (i) विभिन्न मदों का एकत्रीकरण करना। (ii) प्रतिभूतियों की खरीद व बिक्री करना। (iii) रुपया भेजना (iv) संदर्भ पत्र (v) ट्रस्टी तथा प्रबंधक सामान्य उपयोगिता की सेवाएँ जैसे —	वस्तुओं के वाहन में सहायक	1. रुपया भेजना 2. संदर्भ पत्र

सामाजिक कार्य	व्यापारिक बैंक देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण कार्य करते हैं जैसे:- (i) पूँजी निर्माण करना (ii) नवयुवकों को प्रोत्साहन (iii) ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में योगदान देना (iv) मौद्रिक नीति का क्रियान्वयन

पुनरावृत्ति :-

(i) व्यापारिक बैंक व उसके कार्य बताइए
(ii) सामाजिक कार्य किसे कहते हैं

गृहकार्य :-

व्यापारिक बैंक व उसके कार्यों पर नोट लिखना।

DISCUSSION LESSON

LESSON No. 01

Date 29-05-14 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah | Pupil Teacher's Roll No. 1304

Class IX | Average Age of the pupils 13-14 years

Subject Economics | Topic कृषि का महत्व एवं समस्याओं का समाधान

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कृषि का अर्थ समझ जायेंगे। छात्र अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व समझ जायेंगे

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कृषि की विशेषताओं को जानेंगे छात्र कृषि की नीतियों को समझ जायेंगे

~~3. प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कृषि के सामने होने वाली समस्याओं को निपटाने के सुझाव देंगे।

4. ~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कृषि को बढ़ावा देने के सुझाव देंगे

शिक्षण सहायक सामग्री :-

श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक आदि

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-

Teacher activity	student activity
कृषि क्या है ?	एक खेत में फसलों के उत्पादन संबंधित कार्य विज्ञान को कृषि कहते हैं
कृषि का अर्थव्यवस्था में क्या महत्व है ?	भारत के अधिकतर गांव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि करना है। यह राष्ट्रीय आय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कृषि के सामने कौन-कौन सी समस्याएँ आती है?

उपविषय की घोषणा :- विद्यार्थियों आज हम कृषि के अर्थ को जानेंगे तथा कृषि के सामने आने वाली समस्याओं को जानेंगे। या उनको दूर करने के सुझाव देंगे।

Teaching Point	Teacher activity	student activity	Black board
कृषि	कृषि अंग्रेजी भाषा का एग्रीकल्चर शब्द का लैटिन भाषा के दो शब्दों Agri तथा culture शब्दों से लिया गया है वेब्स्टर के अनुसार :- एक खेत में फसलों एंव पशुओं संबंधित कला एंव विज्ञान को कृषि कहते हैं। अर्थशास्त्र में इसका प्रयोग खेती से संबंधित क्रिया से लिया जाता है।		

कृषि का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्व	योजना आयोग ने ठीक ही कहा है कि योजनाओं की सफलता के लिए कृषि का विकास सबसे आवश्यक है। भारत की बढ़ती जनसंख्या भोजन के लिए कृषि पर निर्भर करती है। भारतीय कृषि पर ही देश के उद्योग, व्यवसाय, विदेशी व्यापार तथा यातायात आश्रित है। कृषि का ~~महत्व~~ महत्व इन बातों से प्रकट होता है।	कृषि का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्व
राष्ट्रीय आय :-	राष्ट्रीय आय - भारत की राष्ट्रीय आय का 1/4 भाग कृषि, वन, आदि प्राथमिक क्रियाओं से प्राप्त होता है। सन् 1950-51 में कृषि का योगदान 51% था, जबकि 2004-05 में यह घटकर 24.4% रह गया। राष्ट्रीय आय में कृषि का 1/4 भाग एक ओर कृषि के महत्व का सूचक है वहीं दूसरी ओर देश अल्पविकसित होने का प्रतीक है।	1. राष्ट्रीय आय 2. मजदूरी धराओं की पूर्ति

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
मजदूरी पदार्थों की पूर्ति	कृषि का मुख्य उद्देश्य पदार्थों की पूर्ति करना है। मजदूरी पदार्थ वे वस्तुएँ हैं जिन्हें देश की जनता अपनी जीवन योग्य आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए उपयोग करती है जैसे- गेहूँ, चावल, दाल, तिलहन, मक्का आदि। भारत का कृषि क्षेत्र 108 करोड़ मनुष्यों को जीवित रहने के लिए भोजन व 34 करोड़ पशुओं का चारा प्रदान करता है।		"कृषि तथा रोजगार"
कृषि तथा रोजगार	भारत की 64% जनसंख्या कृषि क्षेत्र में लगी हुई है। कृषि भारत में निर्वाह का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।		
कृषि तथा उद्योग	लगभग सारे उद्योग कृषि पर ही टिके हुए हैं। यह उद्योगों का आधारशीला है।		
कृषि तथा विदेशी व्यापार	विदेशी व्यापार में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है, भारत से चाय, जूट, काजू, तंबाकू तथा मसालों का काफी मात्रा में निर्यात किया जाता है।		

यातायात	यातायात भी कृषि पर निर्भर है। कृषि पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थानों पर ले जाया जाता है। हमारे देश में कृषि का बहुत अधिक महत्व है। कृषि की खुशहाली तथा पिछड़ेपन निर्भर है।	
कृषि की समस्याओं का समाधान	भारतीय कृषि पिछड़ी अवस्था में है तथा इन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।	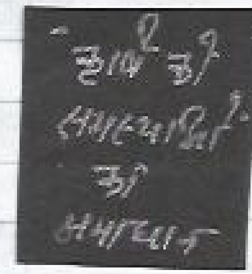
निम्न उत्पादकता की समस्या	विश्व के उन्नत देशों की तुलना में भारत में फसलों का उत्पादन बहुत कम है।	
सिंचाई के साधनों का अभाव	भारतीय कृषि वर्षा के साधनों पर अत्यधिक निर्भर करती है। वर्षा के न होने का अर्थ है फसलों का न होना। भारत में सिंचाई के साधनों का अभाव है जिसमें नहरों, कुँओं द्वारा सिंचाई सम्मिलित है।	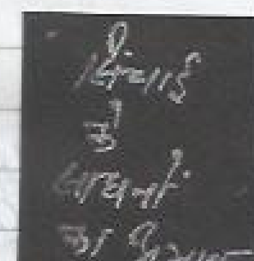

Teaching Point	Teacher activity	student activity
वित्त की समस्या	किसानों के बीच उर्वरक तथा अन्य खादों की खरीद के लिए अल्पकालीन वित्त की आवश्यकता होती। जिसका किसानों के पास अभाव होता है।	
परंपरागत दृष्टिकोण	खेती संबंधित परंपरागत दृष्टिकोण भारतीय कृषि की प्रमुख समस्या है जिस कृषि का आधुनिकीकरण हो गया है। परन्तु भारतीय किसान परंपराओं में जकड़ा हुआ है। इसके लिए खेती कला, जीवन निर्वाह का साधन है। वह कोई भी जोखिम उठाना नहीं चाहता।	
छोटी तथा बिखरी	भारत की भूमि न केवल छोटी व बिखरी हुई है। बल्कि तकनीकी भी प्रयोग नहीं होती तथा लागत भी अधिक आती है।	

पुनरावृत्ति :-

:— (i) प्रदेश की आय में वृद्धि करने के लिए कृषि का महत्व बताइए।

(ii) कृषि में आने वाली बाधाओं का वर्णन करो।

गृह कार्य :—

(i) कृषि का अर्थ एवं महत्व स्पष्ट करें।

(ii) कृषि के समक्ष आने वाली समस्याओं और उनका समाधान बताइए।

(iii) कृषि के विकास हेतु सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं, स्पष्ट करें।

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

LESSON No. 01

Date.

Duration of the period 25 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No.

Class IX

Average Age of the pupils 15 Years

Subject Economics

Topic जनसंख्या विस्फोट

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्र जनसंख्या विस्फोट के बारे में जान जाएँगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र जनसंख्या विस्फोट के कारणों को जान जाएँगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र जनसंख्या जैसे समस्या के बारे में विचार-विमर्श करने योग्य हो गए हैं।

कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्र विषय-वस्तु को पूरी तरह समझ गए हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री :- चार्ट, श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतन आदि।

Previous Knowledge Testing :-

Teacher Activity	Student Activity
हमारे देश की प्रमुख समस्या कौन-कौन सी है?	निर्धनता, बेरोजगारी
जनसंख्या विस्फोट का क्या अर्थ है?	जनसंख्या में तेजी से हो रही वृद्धि को ही जनसंख्या विस्फोट कहते हैं।
जनसंख्या कम करने के क्या उपाय हैं	

उद्देश्य की घोषणा :—

बच्चों! आज हम जनसंख्या वृद्धि के कारणों और उपायों पर विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black Board
परिचय	स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत की जनसंख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई। 1951-61 की शताब्दी में भारत की जनसंख्या में 7 करोड़ 82 लाख की वृद्धि हुई। यह वृद्धि 21.61 की दर से हुई जो पिछले 40 वर्षों में होने वाली वृद्धि की दर से बहुत अधिक थी।		जनसंख्या विस्फोट का अर्थ
जनसंख्या विस्फोट	जनसंख्या में इतनी तेजी से वृद्धि को ही जनसंख्या विस्फोट कहते हैं। भारत में जनसंख्या निरंतर तेजी से बढ़ रही है। अतएव भारत की प्रमुख समस्या के तीव्र गति से बढ़ने की है तथा दूसरी ओर जनसंख्या में असीमित वृद्धि ग्रास्य के रूप में घोषित है।		

सरकार का बैंक	बैंकों का बैंक होने के कारण यह बैंक सभी देशों में सरकार के बैंकर एजेंट एवं वित्तीय परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है। सरकारी बैंकर के रूप में यह सरकारी विभागों के खाते रखता है। तथा सरकारी खातों की व्यवस्था करता है।	
प्रश्न	ठीक है बच्चों! अभी कोई एक बताइए की बैंक का प्रथम कार्य क्या है?	बैंक का प्रथम कार्य नोट जारी करना है।
	Good Students.!	
बैंकों का निरीक्षण करना	बैंक का अगला कार्य है बैंक का निरीक्षण करना। बैंकों का बैंक होने के कारण यह अन्य बैंकों का निरीक्षण करता है, इसके लिए सब कार्य करते हैं।	
बैंकों का बैंक	बैंकों का बैंक:- केन्द्रीय बैंक को बैंकों का बैंक कहा जाता है।	

बैंकों का निरीक्षण करना

बैंकों का प्रथम कार्य क्या है?

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	[illegible]
7	केन्द्री बैंक का अन्य बैंकों के साथ वही संबंध है जो एक साधारण बैंक का अपने ग्राहक के साथ होता है। केन्द्रीय बैंक अन्य बैंकों के नकद कोष को अपना कुछ भाग अपने पास जमा के रूप में रखता है ताकि ग्राहकों की मांग होने पर वह उसकी धन की अदायगी कर सके।		केन्द्रीय बैंक का संबंध
अंतिम ऋणदाता	यह अंतिम ऋणदाता के रूप में कार्य करता है। जब व्यापारिक बैंकों को कहीं से ऋण प्राप्त नहीं होती है वह केन्द्रीय बैंक से ऋण प्राप्त करता है।		
	बच्चों अभी आप बताओ कि केन्द्रीय बैंक के क्या-कार्य है?	(1) नोट जारी करना। सरकार का बैंक, बैंकों का निरिक्षण करना।	केन्द्रीय बैंक का क्या कार्य है?

बैंकों का बैंक! अंतिम ऋणदाता है। ठीक है
कोई और बताइए -

आँकड़े प्रकाशित करना, फटे पुराने नोट वापस लेना आदि।

very good! अच्छा।

आँकड़े प्रकाशित करना

केन्द्रीय बैंक आर्थिक सूचनाएँ एवं आँकड़े प्रकाशित करते हैं। समय-समय पर प्रकाशित करती है। केन्द्रीय बैंक देश की बैंकिंग द्वारा तथा विदेशी विनिमय संबंधी आँकड़ों को प्रदर्शित करता है।

आँकड़े प्रदर्शित करना

अन्य कार्य

(i) केन्द्रीय बैंक के कामों के विकास के लिए भी कार्य करता है।

(ii) केन्द्रीय बैंक मुद्रा तथा वित्त बाजार संगठित करने का भी कार्य करता है।

(iii) फटे पुराने नोट भी वापस लेता है।

केन्द्रीय बैंक के अन्य कार्य

पुनरावृत्ति :-

:- (i) केन्द्रीय बैंक क्या है?
(ii) इसके क्या-क्या कार्य हैं?

गृह कार्य :-

(i) केन्द्रीय बैंक व इसके कार्यों का विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे और Note book में Written Work Complet करेंगे।

LESSON No. 04

Date.............................

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class IX

Average Age of the pupils 15-16 years

Subject Economics

Topic यातायात के साधन

अनुदेशात्मक उद्देश्य

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों को यातायात के साधनों के बारे में अधिक से अधिक ज्ञान देना।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों की सौंदर्यानुभूति भावना को विकसित करना।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों के यातायात साधनों का अपने जीवन में प्रयोग में लाना।

~~अभिवृत्यात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों में अभिव्यक्ति शैली का विकास करना एवं छात्रों को वाचन कौशल में निपुण बनाना।

शिक्षण सहायक सामग्री:- श्यामपट्ट, झाड़न, चॉक, चार्ट आदि

Previous Knowledge Testing:-

Teacher activity	Student activity
बच्चों! आप स्कूल कैसे जाते हैं?	बस द्वारा, साइकिल, स्कूटर द्वारा तथा पैदल आदि
बस क्या है?	बस यातायात का साधन है।
यातायात से आप क्या समझते हैं?	जिसके द्वारा हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं।
यातायात के साधन कितने प्रकार के हैं?	

उपविषय की घोषणा:-

विद्यार्थी! आज हम यातायात के साधन व उसके प्रकारों के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण:-

Teaching Point	Teacher Activity	Student Activity	Black Board
उ० प्रश्न	हमारे युग का प्रभावशाली आर्थिक तथ्य निर्माण संबंधी उद्योगों का विकास नहीं है जबकि यातायात सेवाओं का विकास है।		यातायात के साधनों का अभिप्राय
यातायात के साधन	किसी देश की यातायात की प्रणाली से अभिप्राय उन विभिन्न साधनों से है जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर लोगों तथा वस्तुओं को लाते तथा ले जाते हैं। इन्हें यातायात के साधन कहते हैं। इन साधनों में रेल, सड़क, हवा, जल, यातायात शामिल हैं।		रेल, जल, वायु, सड़क यातायात के लाभ
यातायात के साधनों के प्रकार	भारत में पाए जाने वाले यातायात के साधन इस प्रकार हैं- रेल यातायात वायु यातायात जल यातायात सड़क यातायात		

इन यातायात के साधनों का वर्णन कुछ इस प्रकार है:-

यातायात के साधनों के प्रकारों का वर्णन

रेल यातायात

भारत में रेलों का विकास का इतिहास 147 वर्ष पुराना है। 16 अप्रैल 1853 में पहली रेलवे लाइन बम्बई व थाना के बीच बनाई गई। इसके बाद रेलों का बहुत अधिक विकास हुआ। भारत के यातायात के साधनों में रेलों का सबसे अधिक महत्व है। भारतीय रेलवे व्यवस्था एशिया में सबसे बड़ी और संसार में दूसरी मानी जाती है। रेल यातायात वह साधन है जिसके द्वारा हम कृषि विकास के लिए नए साधनों को आसानी से ले जा सकते हैं।

रेल यातायात के लाभ

रेल यातायात के लाभ

रेल यातायात के लाभ निम्नलिखित हैं:-

(i) कृषि विकास
(ii) उत्पादन के लिए नए साधन व नए क्षेत्रों का विकास
(iii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सहायता
अकालों की समाप्ति।

Teaching Point	Teacher activity	student activity	Black board
	(iv) पर्यटन को प्रोत्साहन (v) रोजगार (vi) डाक सेवा		
	बच्चों! अभी आप मुझे बताइए की यातायात के साधन कितने प्रकार के हैं?	चार प्रकार के होते:- सड़क यातायात जल यातायात वायु यातायात रेल यातायात	सड़क यातायात के महत्व
	ठीक बच्चों।		
सड़क यातायात	भारत जैसी घनी जनसंख्या वाले देश के लिए सड़कों का महत्व बहुत अधिक है। भारत की सड़क व्यवस्था का संसार में तीसरा स्थान है। सड़क यातायात से हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर जल्दी पहुँच जाते हैं।		सड़क यातायात के प्रमुख साधन
सड़क यातायात के साधन	भारत में सड़क यातायात के दो प्रमुख साधन हैं:— बैलगाड़ी:- यह भारतीय गाँवों में यातायात का मुख्य साधन है। श्री F.P. भाटिया के अनुसार भारत में लगभग 1 करोड़ बैलगाड़ी है।		

मोटर यातायात - भारत में मोटर यातायात का प्रारंभ 1913 के बाद हुआ। भारत में मोटर यातायात का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

सड़क यातायात के लाभ

सड़क यातायात के लाभ

यातायात के निम्नलिखित लाभ हैं:-

(i) कम पूँजी
(ii) लचक
(iii) समय तथा लागत में बचत
(iv) व्यक्तिगत सेवा
(v) रोजगार
(vi) उद्योगों के लाभ

जल यातायात

भारत में तीसरा महत्वपूर्ण साधन है, जल यातायात। यह वह यातायात है, जो जल में चलता है। जैसे:-

जल यातायात के लाभ

(i) आंतरिक जल यातायात
(ii) तटीय जल यातायात
(iii) समुद्री यातायात

पुनरावृत्ति:—

(i) हमारे देश में यातायात के साधन कौन-कौन से हैं?

(ii) रेल यातायात का क्या लाभ है?

गृह कार्य:—

यातायात के साधनों का सचित्र से वर्णन करें।

LESSON No. 05

Date ....

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class IX

Average Age of the pupils 13-14 years

Subject Economics

Topic उत्पादन लागत

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्र उत्पादन लागत के बारे में जान जाएंगे।

बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र प्रत्येक प्रकार की उत्पादन लागत की विस्तृत में जानकारी लेंगे।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र उत्पादन लागत की जानकारी को सही से प्रयोग करेंगे।

कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्र उत्पादन लागत के विषय में कौशल प्राप्त कर लिया है।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संतुलन आदि

Previous knowledge testing

Teacher activity	Student activity
उत्पादन किसे कहते हैं?	किसी वस्तु के निर्माण को उत्पादन कहते हैं।
उत्पादन लागत किसे कहते हैं?	

उपविषय की घोषणा :-

:- विद्यार्थियों आज हम उत्पादन लागत के विषय में अध्ययन करेंगे कि लागतें कितने प्रकार की होती हैं

प्रस्तुतीकरण :-

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black Board
उत्पादन लागत	उत्पादन लागत :- प्रत्येक फर्म उत्पादन करते समय उत्पादन के साधनों (भूमि, श्रम, पूंजी) कच्चेमाल तथा मध्यवर्ती वस्तुओं का प्रयोग करते हैं इन पर किए गए खर्चों को उत्पादन लागत कहते हैं फर्म उत्पादन लागत के आधार पर यह निर्धारित करती है कि वस्तु की कीमत कितनी है।		उत्पादन लागत किसे कहते हैं
लागतों के प्रकार	लागतों के प्रकार :- लागतें निम्न प्रकार की होती हैं :- (i) वास्तविक लागत (ii) अवसर लागत (iii) मौद्रिक लागत (iv) कुल लागत (v) औसत लागत		लागतों के प्रकार

~~प्रस्तुतीकरण~~ (vi) सीमांत लागत
(vii) स्पष्ट लागत
(viii) निहित लागत

सीमांत व स्पष्ट लागत

प्रश्न — बच्चों! अभी आप बताओ उत्पादन के साधन कौन-कौन से हैं?
भूमि, श्रम, पूंजी आदि

कोई दो प्रकार के लागतों को बताओ —
सीमांत लागत, स्पष्ट लागत

बहुत अच्छा! बच्चों।

वास्तविक लागत — वास्तविक लागत :- वह लागत है जो उत्पादन के स्वामियों द्वारा उनकी पूर्ति करने में कष्ट, दुख, परेशानी आदि उठानी पड़ती है। यह एक आगत धारणा है इसे मापना संभव नहीं है। इसलिए आज-कल इस धारणा को महत्व नहीं दिया जाता है।

अवसर लागत क्या है?

अवसर लागत — अवसर लागत :- किसी साधन की अवसर लागत से अभिप्राय दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक प्रयोग में उसके

Teaching Point	Teacher activity	Student activity
	मूल्य से हैं जैसे:- एक दुकान में काम करने वाला व्यक्ति 1000 रु० महीने से ~~काम~~ पर कम पर नौकरी नहीं करेगा अथवा वह अपने आप को दूसरे सर्वश्रेष्ठ विकल्प 1000 रु महीने प्राप्त होता है स्थानांतरित कर लेगा।	स्पष्ट लागत के प्रकार
स्पष्ट लागत	वे लागतें जो फर्म की साधनों की स्वामियों को खरीदने या किराए पर लेने के लिए खर्च करती है, जैसे:- दी जानेवाली मजदूरी, ऋण पर दिया जाने वाला ब्याज, कच्चे माल व अर्धनिर्मित माल पर भुगतान आदि	
मौद्रिक लागत	किसी वस्तु का उत्पादन तथा बिक्री करने के लिए मुद्रा के रूप में जो धन खर्च करना पड़ता है उसे उस वस्तु की मौद्रिक लागत कहते हैं।	मौद्रिक लागत का अर्थ

उत्पादन की लागत के तीन प्रकार हैं —

कुल लागत व औसत लागत

कुल लागत — किसी वस्तु की एक निश्चित मात्रा का उत्पादन करने के लिए जो धन व्यय करना पड़ता है, उसे कुल लागत कहते हैं जैसे- 300 कमीजों की लागत 2000 Rs है।

औसत लागत — किसी वस्तु की प्रति इकाई लागत को औसत इकाई लागत कहते हैं

$$Ac = \frac{Tc}{Q}$$

Ac = Average Cost
Tc = Total Cost
Q = Quantity

किसी वस्तु की 6 इकाइयों की लागत 180 Rs है तो औसत लागत $= \frac{180}{6} = 30$ Rs।

$$Ac = \frac{Tc}{Q}$$

Ac = Average Cost
Tc = Total Cost
Q = Quantity

पुनरावृत्ति :—

1- (i) उत्पादन लागत किसे कहते हैं?
(ii) उत्पादन लागत कितने प्रकार की होती है?

गृह कार्य :—

1- उत्पादन लागत का अर्थ एवं इसके प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें।

LESSON No. 06

Date............ Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah Pupil Teacher's Roll No. ....

Class XI Average Age of the pupils 15-16 yrs

Subject Economics Topic आगम की धारणाएँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :—

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों को आगम के अर्थ का ज्ञान प्राप्त कराना।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र प्रत्येक धारणा के बारे में बोध करेंगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र अपने जानकारी की सहायता से प्रयोग करेंगे।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- (i) छात्रों में अभिव्यक्ति शैली का विकास करना।
(ii) छात्रों की लेखन शैली का विकास करना।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, डस्टर, संकेतक, चार्ट आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	student activity
1. आगम, किसे कहते हैं?	किसी वस्तु की बिक्री करने से जो आय प्राप्त होती है, उसे आगम कहते हैं।
2. आगम की धारणाएँ कौन-कौन सी हैं?	

उद्देश्य की घोषणा

:- विद्यार्थियों आज हम आगम की अवधारणाओं के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
आगम	किसी वस्तु को बिक्री करने से एक फर्म को जो कुल रकम प्राप्त होती है, उसे फर्म का आगम कहा जाता है। डूली के अनुसार :- एक फर्म का आगम उसकी बिक्री प्राप्ति या वस्तु की बिक्री से मिलने वाली मौद्रिक प्राप्तियाँ हैं, इसे बिक्री से प्राप्त धन भी कहा जाता है।		आगम का अर्थ
आगम की धारणाएँ	आगम की धारणाएँ :- (i) कुल आगम (ii) औसत आगम (iii) सीमांत आगम		आगम की धारणाएँ
कुल आगम	एक फर्म द्वारा अपने उत्पादन की एक		

निश्चित मात्रा को बेच कर जो धन प्राप्त होता है, उसे कुल आगम कहते हैं।

माना कि 100 आइसक्रीम 50 रु० प्रति आइसक्रीम के दर से बेची जाती है तो फर्म का कुल आगम $TR = Q \times P$

कुल आगम = मात्रा x कीमत

$= 100 \times 50$

$= 5000$ Rs

औसत आगम का अभिप्राय

औसत आगम — औसत आगम से अभिप्राय है उत्पादन की प्रति इकाई की बिक्री से प्राप्त आगम। यदि $TR = 1000$, $Q = 100$

तो $AR = TR/Q$

$= \frac{1000}{100} = 10$ Rs

अत: औसत आगम वह दर है जिस पर कोई वस्तु बेची जा सकती है।

सीमांत आगम

सीमांत आगम — $AR = \frac{\text{कुल आगम}}{\text{बेची गयी मात्रा}}$

$= \frac{TR}{Q}$

Teaching Point	Teacher activity	Student activity
	$\frac{PQ}{Q} = P$ P = प्रति इकाई कीमत Q = वस्तु की मात्रा	
सीमांत आगम	सीमांत आगम से अभिप्राय है किसी वस्तु की एक अधिक या कम इकाई की बिक्री की कुल आगम में होने वाला परिवर्तन। फर्गुसन के अनुसार :- एक फर्म द्वारा अपने उत्पादन को एक इकाई कम या अधिक बेचने से कुल आगम में जो अंतर आता है उसे सीमांत आगम कहते हैं। सीमांत आगम = कुल आगम में परिवर्तन / बेची गयी मात्रा में परिवर्तन $MR = \frac{\Delta TR}{\Delta Q}$	

अभी आप बताइए की डूली के अनुसार आगम क्या है?	एक फर्म का आगम उसकी किसी प्राप्ति या वस्तु की बिक्री से मिलने वाली मौद्रिक प्राप्ति है, इसे बिक्री प्राप्ति भी कहा जाता है	डूली के अनुसार आगम क्या है?

पुनरावृत्ति:

(i) आगम क्या है?
(ii) आगम की धारणाएँ बतायें।

गृहकार्य

1. आगम और आगम की धारणाओं का विस्तार से वर्णन करो।

LESSON No. 07

Date..........

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class IX

Average Age of the pupils 13-14 years

Subject Economics

Topic ग्राम विकास की समस्याएँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :—

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र ग्रामीण विकास को भली भाँति जान जाएँगे।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र ग्रामीण विकास में आने वाली बाधाओं को समझ जाएँगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र जैविक कृषि के बारे में परिचित हो गए हैं।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कृषि में सुधार करने योग्य हो गए हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	Student activity
ग्रामीण विकास का क्या अर्थ है?	ग्रामीण विकास का अर्थ है कृषि का विकास।
ग्रामीण विकास की समस्याएँ क्या हैं?	

उपविषय की घोषणा :-

विद्यार्थियों! आज हम ग्रामीण विकास में आने वाली समस्याओं के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
ग्रामीण विकास में आनेवाली बाधाएँ	ग्रामीण विकास में कई प्रकार की समस्याएँ आती है:- (i) कृषि साख (ii) कृषि वस्तुओं का विपणन (iii) कृषि का विविधिकरण (iv) जैविक खेती ये समस्याएँ महत्त्वपूर्ण इसलिए हैं, क्योंकि ये कृषि के विकास में सहायक होती है। और इसी कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था की संवृद्धि तथा विकास में सहायक होती है।		ग्रामीण विकास में आने वाली बाधाएँ क्या है?
कृषि साख	कृषि साख से अभिप्राय कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक भौतिक आगतों को खरीदने की क्षमता से है।		

एक सामान्य भारतीयों को अपनी अल्पकालीन, मध्यकालीन, दीर्घकालीन आवश्यकता को पूरा कराने के लिए आवश्यक मौद्रिक मांगों को खरीदने की क्षमता से है। एक सामान्य भारतीयों को अपनी अल्पकालीन, मध्यकालीन, दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए साख की आवश्यकता होती है।

कृषि साख का अर्थ क्या है?

प्र.न अभी आप बताइए की कृषि साख क्या है ?

कृषि साख से अभिप्राय कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक मौद्रिक मांगों को खरीदने की क्षमता से है।

कृषि साख के स्रोत:- सहकारी साख समितियाँ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, व्यापारिक बैंक, ग्रामीण बैंक आदि।

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
कृषि विपणन:-	ऐसी विपणन प्रणाली जो उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करती है। यह कृषि विकास की मूलधारा है इसमें उन सब क्रियाओं को शामिल किया जाता है जिनके द्वारा कृषि उपज उत्पादकों से अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुँचाती है। जैसे:- संग्रहण, यातायात, तथा संसाधन आदि भारत में कृषि विपणन को पारंपरिक रूप से असंगठित तथा स्वभाव दोषी माना गया है किसानों को एक उत्तम विपणन प्रणाली की आवश्यकता होती है ताकि उसे अपनी उपज की उचित कीमत प्राप्त हो सके। उनकी आवश्यकताएँ इस प्रकार हैं:- (i) उपज की संग्रहण की सुविधा (ii) उपज को मंडियों तक ले जाने की सुविधा (iii) कमीशन लेने वाले मध्यस्थों का उन्मूलन		कृषि विपणन का अर्थ

(iv) उपज की बेहतर कीमत प्राप्त करने हेतु बाजार की स्थिति संबंधी सूचना प्राप्त होना।

कृषि का विविधीकरण

यह वह प्रणाली है जिसमें केवल एक ही फसल या बड़े पैमाने पर विशिष्टीकरण के विपरीत विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाने तथा पशुओं को पालने का बढ़ावा दिया जाता है।

समर्थकों का तर्क है कि इसमें व्यवसाय की अनिश्चितता से छुटकारा मिलता है। भारत में शीघ्र ग्रामीण विकास के लिए एक छोटे-छोटे खेतों के विविधीकरण का सुझाव दिया जाता है।

कृषि का विविध कारक

जैविक खेती

जैविक खेती एक पारंपरिक खेती प्रणाली है जो भूमि की दीर्घकालीन उपजाऊ शक्ति बनाए रखती है तथा उच्च कोटि की जैविक खाद का उत्पादन करने के लिए भूमि की सीमित साधनों का प्रयोग करती है।

पुनरावृत्ति। —

:- ग्रामीण विकास की धारणाओं के बारे में बताइए।

गृह कार्य। —

(i) ग्रामीण विकास की समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) ग्राम भारत क्या है?

LESSON No. 08

Date ....

Duration of the period 40 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class XII

Average Age of the pupils 15-16 years

Subject Economics

Topic स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारती अर्थव्यवस्था

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र स्वतंत्रता के समय भारती अर्थव्यवस्था की स्थिति को जानेंगे व ज्ञान प्राप्त करेंगे।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र अपने विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करेंगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों की सहानुभूति भावना को विकसित करना।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- (i) छात्रों की कौशल-शैली का विकास करना।
(ii) वाचन कौशल में निपुण बनाना।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक आदि

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	Student activity
प्राथमिक क्षेत्रों में किन-किन उद्योगों को शामिल किया जाता है?	मत्स्य उद्योग, वन उद्योग
प्राथमिक क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में कितना योगदान है	

उद्देश्य की घोषणा :-

बच्चों! आज हम स्वतंत्रता प्राप्ति के समय की अर्थव्यवस्था का विवेचन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	~~Black board~~
स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति	200 वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुआ। भारतीय स्वतंत्रता के बाद अर्थव्यवस्था बुरी तरह से बिगड़ गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को समझने के लिए दो समस्याओं पर अधिक ध्यान देंगे जैसे- स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था के संवृद्धि स्तर प्राप्ति आय घरेलू उत्पाद के रूप में। स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना स्वतंत्रता के समय भारतीय		स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था का संवृद्धि स्तर निम्न
1950-51 में भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 3687 Rs थी परंतु वर्तमान में यह 12416 Rs से अधिक हो गई है। इस प्रकार 1950-51 में प्रति व्यक्ति आय 2004-2005 की तुलना में 1/3 से भी कम थी। इस तथ्य के आधार पर भारतीय जनसंख्या का 26% भाग आज भी गरीबी रेखा से नीचे है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना

संरचना:- स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना:-
देश की राष्ट्रीय आय में प्राथमिक, द्वितीयक, या तृतीयक क्षेत्रों का सापेक्षिक अंशदान स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	Black board
	राष्ट्रीय आय का योगदान निम्नलिखित है:—		
	तालिका		
	स्रोत — राष्ट्रीय आय में % में योगदान		
	प्राथमिक क्षे० 58.7%		
	द्वितीयक क्षे० 14.3%		स्रोतों में राष्ट्रीय आय का योगदान
	तृतीयक क्षे० 27%		
प्राथमिक स्रोत	प्राथमिक स्रोत:- स्वतंत्रता के बाद भारत की राष्ट्रीय आय का लगभग 58.7% भाग प्राथमिक स्रोत से प्राप्त करता है। प्राथमिक स्रोत में कृषि, वन, उद्योग, मछलीपालन, और खनन आता है।		
द्वितीयक स्रोत	द्वितीयक स्रोत:- स्वतंत्रता के समय राष्ट्रीय आय में द्वितीयक स्रोत का योगदान 14.3% था। इस स्रोत में उद्योग निर्माण कार्य		

	बिजली तथा जलापूर्ति शामिल है।
तृतीयक क्षेत्र	भारत की राष्ट्रीय आय में स्वतंत्रता के समय तृतीय क्षेत्र का 27% योगदान है। तृतीयक क्षेत्र में निम्न आर्थिक क्रियाओं को शामिल किया जाता है। जैसे:- परिवहन संचार, संग्रहण संचार, व्यापार होटल, तथा जलपान गृह, संपदा तथा व्यावसायिक सेवाएँ तथा सरकारी प्रशासन तथा प्रतिरक्षा संपदा. तथा व्यावसायिक सेवाएं 2% तथा सरकारी प्रशासन तथा प्रतिरक्षा 3.8% तथा अन्य सेवाएं 7% की दी गयी तालिका से स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का पता चलता है।

तृतीय क्षेत्र के राष्ट्रीय

पुनरावृत्ति :-

:- स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का वर्णन करो।

गृह कार्य :-

:- स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था को विस्तार से समझाओ।

LESSON No. 09

Date.

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Class XII

Subject Economics

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Roll No.

Average Age of the pupils 16-17 years

Topic मांग का नियम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्र मांग के नियम को जान जाएँगे।
2. बोधात्मक उद्देश्य :- छात्र अपने विषय को समझ जाएँगे।
3. प्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्र मांग के नियम से परिचित हो गए हैं।
4. कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्र मांग के नियम से संबंधित चित्रों का जोड़ तोड़ करने के योग्य हो गए हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	student activity
बच्चों! मांग क्या होती है?	किसी वस्तु की इच्छा मांग होती है।
मांग में वृद्धि या कमी कब होती है?	
मांग का नियम क्या है?	

उद्देश्य की घोषणा:-

:- विद्यार्थी आज हम मांग के नियम व इसके अपवादों को जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

Teaching Point	Teacher activity	Student activity
मांग का नियम	अन्य बातें समान रहने पर किसी वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी मांग कम हो जाती है, तथा कीमत कम होने पर मांग बढ़ जाती है।	
परिभाषा:-	मार्शल के अनुसार:- मांग का नियम यह बतलाता है कि कीमत में कमी होने से वस्तु की मांग बढ़ जाती है, तथा कीमत में वृद्धि होने के कारण वस्तु की मांग कम हो जाती है।	
मांग के नियम की व्याख्या	मांग के नियम की व्याख्या मांग तालिका की सहायता से की जाती है। 'x' वस्तु की कीमत कम होने पर वस्तु की मांग बढ़ जाती है।	

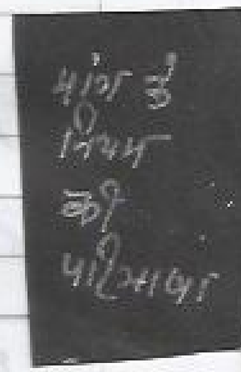

जैसे:- X वस्तु की कीमत 10 Rs. कम व हो जाती है तो मांग 100 इकाईयों से बढ़कर 150 हो जाती है। मांग के नियम की व्याख्या मांग वक्र से भी की जा सकती है। 'X' वस्तु की कीमत OP से कम हो कर OP1 हो जाती है तथा मांग बढ़ कर OQ से OQ1 हो जाती है। मांग वक्र का नीचे की ओर ढलान मांग के नियम को प्रकट करता है।

मांग वक्र का ऋणात्मक ढलान

मांग के नियम की मान्यताएँ

मांग के नियम की मान्यताएँ:- मांग का नियम तभी लागू होता है, जब अन्य बातें समान रहें। इससे अभिप्राय यह है कि मांग को प्रभावित करने वाले कीमत के अतिरिक्त अन्य तत्वों को स्थिर मान लिया जाता है, यह केवल साधारण वस्तुओं पर लागू होता है।

मांग के नियम की मान्यताएँ

Teaching Point	Teacher activity	student activity	[illegible]
	विभिन्न वस्तुओं पर लागू नहीं होता (i) उपभोक्ता की आय में परिवर्तन नहीं होना चाहिए (ii) उपभोक्ता की रुचि में परिवर्तन नहीं होना चाहिए (iii) संबंधित वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए (iv) वस्तु की कीमत के भविष्य में कोई अधिक परिवर्तन की संभावना नहीं।		
मांग वक्र का ऋणात्मक ढलान	मांग का ऋणात्मक ढलान या ऊपर से नीचे की ओर झुके होने का मुख्य कारण निम्न है:—		
घटती सीमांत उपयोगिता	घटती सीमांत उपयोगिता नियम:- जैसे - वस्तु की अधिक इकाइयाँ खरीदी जाती है उसकी सीमांत उपयोगिता कम हो जाती है।		

	इसलिए उपभोक्ता उस वस्तु की अधिक मात्रा नहीं खरीदेगा एवं उस वस्तु की उपयोगिता कम होकर सीमांत उपयोगिता के बराबर हो जाएगी।	
आय का प्रभाव	वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने के कारण खरीदार की वास्तविक आय में परिवर्तन होने के कारण वस्तु की मांगी गई मात्रा में होने वाले परिवर्तन को आय का प्रभाव कहा जाता है।	आय का प्रभाव
प्रतिस्थापन प्रभाव:-	जब एक वस्तु अपनी-अपनी स्थापना वस्तु की तुलना में सस्ती होती है, तो उसको दूसरी वस्तु की तुलना में प्रतिस्थापन किया जाता है।	प्रतिस्थापन प्रभाव

पुनरावृत्ति :—

मांग के नियम का अर्थ बताइए

गृह कार्य :-

(i) मांग के नियम की व्याख्या कीजिए।

(ii) मांग के नियम की मान्यताएं बताइए।

LESSON No. 10

Date..........

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class XII

Average Age of the pupils 15-16 yrs

Subject Economics

Topic मांग की लोच

अनुदेशनात्मक उद्देश्य। —

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र मांग की लोच को समझ जाएंगे।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र मांग की कीमत लोच के मापन की विधियों को जान जाएंगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र कीमत लोच की विधियों को ध्यान पूर्वक मापन करने की कोशिश करेंगे।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- छात्रों की अभिव्यक्ति शैली का विकास करना।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, तालिका, संकेतन आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	student activity
मांग किसे कहते हैं ?	वह इच्छा जो पूरी की जा सके मांग कहलाती है।
मांग का नियम क्या है ?	कीमत बढ़ने पर मांग घट जाती है और कीमत कम होने पर मांग बढ़ जाती है।
मांग की कीमत लोच क्या है ?	

उद्देश्य की घोषणा

विद्यार्थियों! आज हम मांग की कीमत लोच के विषय में पढ़ेंगे तथा उसके मापन की विधियों का विश्लेषण करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

Teaching Point	Teacher activity	student activity	Black board
मांग की कीमत लोच	मांग की कीमत लोच, कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन तथा मांग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन का अनुपात है। मांग की कीमत लोच से यह ज्ञात होता है कि किसी वस्तु की कीमत बढ़ने से मांग में कितने प्रतिशत की कमी होगी तथा कीमत कम होने से मांग में कितने प्रतिशत वृद्धि होगी। मांग की लोच द्वारा परिवर्तन की मात्रा ज्ञात होती है, जबकि मांग के नियम द्वारा परिवर्तन की दिशा ज्ञात होती है।		मांग की कीमत लोच

Teaching Point	Teacher activity	student activity	~~Black board~~
परिभाषा	मार्शल के शब्दों में:— ~~मांग की निरपेक्ष~~ कीमत लोच में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन तथा मांग में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन का अनुपात है।		
मांग की कीमत लोच का मापन	मांग की कीमत लोच के तीन माप हैं:— (i) कुल व्यय विधि (ii) आनुपातिक या प्रतिशत विधि (iii) बिंदु लोच विधि।		
कुल व्यय विधि	किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने से उस पर किए गये कुल व्यय में कितना परिवर्तन किस दिशा में होता है।		
मांग की इकाई लोच	मांग की इकाई लोच:— जब किसी वस्तु की कीमत 20 Rs है तो उस वस्तु की कुल लागत खर्च 80 Rs है चाहे वस्तु का मूल्य बदलकर 10 Rs भी रह जाए		

Teaching Point	Teacher activity	Student activity
	तो वस्तु की लागत खर्च 80Rs ही रहेगा। Ed = 10	
इकाई से अधिक लोच	इकाई से अधिक लोच! - जब किसी वस्तु की कीमत 2 रु है तो कुल व्यय 8 रु किया जाता है जब वस्तु की कीमत 1 रु हो जाती है तो कुल व्यय बढ़कर 10 रु हो जाता है। अतः कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप कुल व्यय परिवर्तन विपरीत दिशा में होता है।	
इकाई से कम लोच मांग	जब वस्तु की कीमत 2 रु है तो कुल व्यय 8 रु है जबकि कीमत 1 रु रह जाती है। तो व्यय 4 रु रह जाता है।	
आनुपातिक प्रतिशत विधि	आनुपातिक प्रतिशत विधि! - मांग की कीमत लोच का अनुमान लगाने के लिए मांग में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन का	

कीमत में होने वाले आनुपातिक या प्रतिशत परिवर्तन से माँग का किया जाता है।

$$Ed = \frac{\text{मांग में आनुपातिक}}{\text{कीमत में आनुपातिक}}$$

$$\frac{\text{मांग में परिवर्तन}}{\text{प्रारंभिक मांग}} \Big/ \frac{\text{कीमत में परिवर्तन}}{\text{प्रारंभिक कीमत}}$$

Total Expenditure Method

Situation	Price of Comodity	Quantity	Total Expenditure	Exoetom Total Expenditure	Elasticity on demand Unit
A	2 ↓	4	8	same ~~Total~~ Total Ex ↕	Ed = 1
	1	4	8		
B	2 ↓	4	8	Total Ex ↕	Greter than E>1
	1	10	10		
C	2 ↓	3	6	Total Ex ↓	~~ed>1~~ Ed<1
	1	4	4		

पुनरावृत्ति :-

मांग की कीमत लोच मापने की विधियाँ बताइए

गृह कार्य :-

मांग की कीमत लोच से क्या आशय है?

मांग की कीमत लोच के मापों का वर्णन करो

LESSON No. 11

Date ....

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah.

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class XII

Average Age of the pupils 15-16 years

Subject Economics

Topic मानवीय आवश्यकताएँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य :-

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी आवश्यकता के अर्थ को जान जाएँगे।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी आवश्यकताओं के विभिन्न प्रकारों को जान जाएँगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी आवश्यकता के महत्व को समझ जाए हैं।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- विद्यार्थी आवश्यकताओं के वर्गीकरण को सूची एवं चार्ट के माध्यम से दिखा सकेंगे।

शिक्षण सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट, चाक, झाड़न, संकेतक, चार्ट आदि।

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	student activity
हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ कौन-कौन सी है?	रोटी, कपड़ा और मकान
सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए और कौन-कौन सी आवश्यकताएँ होती है?	?

उद्देश्य की घोषणा:- विद्यार्थी! आज हम आवश्यकता के अर्थ एवं प्रकार का अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण:-

Teaching Point	Teacher activity	Student activity	
आवश्यकता का अर्थ	आवश्यकता से हमारा अभिप्राय है, "जरूरत"। आवश्यकता उन इच्छाओं को कहते हैं जिससे हम संतुष्ट कर सकते हैं। विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए हमें विभिन्न वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है। प्रत्येक मनुष्य एवं उसके परिवार की आवश्यकता भिन्न होती है यहाँ तक की प्रत्येक देश अथवा शहर की आवश्यकताएं भिन्न होती है। मनुष्य की आवश्यकताओं को मुख्यतः तीन भागों में बांटा जा सकता है।		आवश्यकता को तीन भागों में बांटा गया है

प्रश्न	भोजन, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की आवश्यकताएं किस प्रकार की हैं?	जीवन के लिए जरूरी हैं।	1. भोजन 2. कपड़ा 3. मकान
अनिवार्य आवश्यकताएं	अनिवार्य आवश्यकताएं वे आवश्यकताएं हैं जो हमारे जीवन के लिए अत्यंत जरूरी हैं। इनकी पूर्ति के अभाव में हमें दुख एवं कष्ट का अनुभव होता है। इनकी पूर्ति के बिना न तो हम सही ढंग से जीवित रह सकते हैं, और न ही अपना कार्य सही ढंग से कर सकते हैं। अनिवार्य आवश्यकताओं को दो भागों में बांटा गया है-		जीवन रक्षक व अनिवार्य आवश्यकता
(i) जीवन रक्षक आवश्यकताएं	वे आवश्यकताएं जिनके बिना हमारा जीवन संभव नहीं है तथा जो हमारे जीवन की सुरक्षा करती हैं वे जीवन रक्षक आवश्यकताएं कहलाती हैं।		

Teaching Point	Teacher activity	student activity
प्रश्न	बच्चों, क्या आप बताओगे कि सर्दी, गर्मी, बरसात आदि से बचने के लिए किस प्रकार के कपड़ों की आवश्यकता होती है।	सर्दी में ऊनी गर्मी में सूती व वर्षा में बरसाती की आवश्यकता होती है।
कार्यकुशलता रक्षक आवश्यकताएँ	वे आवश्यकताएँ जो हमारे कार्य करने की क्षमता में वृद्धि करती हैं, इन्हें कार्यकुशलता रक्षक आवश्यकताएं कहते हैं। इस तरह की आवश्यकताओं से हमारी शारीरिक तथा मानसिक क्षमता पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे:- संतुलित भोजन, शिक्षा की व्यवस्था, विश्राम आदि	
प्रश्न	कार्यकुशलता रक्षक आवश्यकता का अन्य उदाहरण दो ? -	मनोरंजन की व्यवस्था
आरामदायक आवश्यकताएँ	वे आवश्यकताएँ जिनकी पूर्ति के बिना हम जीवित तो रह सकते हैं, परंतु इसके बिना हम आरामदायक जीवन व्यतीत नहीं कर सकते।	

आरामदायक आवश्यकता

	इन आवश्यकताओं की पूर्ति अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद की जाती है। जैसे किसी बच्चों को स्कूल जाने के लिए साइकिल मिल जाये तो उसे पैदल की अपेक्षा आने जाने में सुविधा साइकिल से अधिक सुविधा होगी।		
	आरामदायक आवश्यकता का अन्य उदाहरण दीजिए -	फ्रिज, गैस-चूल्हा, आदि।	इनके बिना हम आराम दायक जीवन नहीं पा सकते
विलासिता पूर्ण आवश्यकता	इस तरह की आवश्यकताओं की पूर्ति से हमारी कार्य क्षमता में न ~~केवल वृद्धि होती है~~ बल्कि इन आवश्यकताओं की पूर्ति से हमें आनंद का अनुभव भी होता है। जैसे:- आलीशान मकान, गाड़ी,		
	इनके अन्य उदाहरण दें -	सोना, चाँदी आदि।	

पुनरावृत्ति :-

(i) आवश्यकता किसे कहते हैं?
(ii) आवश्यकता कितने प्रकार की होती है?

गृह कार्य :-

- आवश्यकता का क्या अर्थ है? व यह कितने प्रकार की होती है? उदाहरण सहित बताइए।

LESSON No. 12

Duration of the period..........

Date..........

Pupil Teacher's Roll No..........

Pupil Teacher's Name Md. Wabiullah

Average Age of the pupils 13-14 years

Class IX th

Topic अर्थव्यवस्था की समस्याएँ

Subject Economics

अनुदेशनात्मक उद्देश्य:-

~~(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य~~:- छात्र अर्थव्यवस्था की समस्या को जान जाएँगे।

~~(2) बोधात्मक उद्देश्य~~:- छात्र अर्थव्यवस्था की समस्या को विस्तार से जान जाएँगे।

~~(3) प्रयोगात्मक उद्देश्य~~:- छात्र अर्थव्यवस्था की समस्या के कारणों से परिचित हो गए हैं।

~~(4) कौशलात्मक उद्देश्य~~:- छात्र अर्थव्यवस्था की समस्या को सुलझाने के लिए विचार विमर्श करने योग्य हो गए हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री:- श्यामपट्ट, चाक, डस्टर, चार्ट इत्यादि

Previous Knowledge Testing

Teacher activity	Student activity
अर्थव्यवस्था को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?	अर्थव्यवस्था को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे:- उत्पादन किस प्रकार किया जाए, कैसे किया जाए। चाहे व्यक्ति अपनी सभी आवश्यकताओं को संतुष्ट करना चाहे तो वह कर नहीं सकता।

उपविषय की घोषणा :-

छात्रों! आज हम अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

Teaching Point	Teacher activities	Student activities	[illegible]
अर्थव्यवस्था का आधार	अर्थव्यवस्था का आधार मुख्यत: दो तथ्यों पर आधारित है:- (i) मनुष्य की आवश्यकताएँ असीमित है (ii) आर्थिक साधन जिनसे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है। एक मनुष्य की आवश्यकताएँ असीमित है यद्यपि प्रत्येक आवश्यकता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जा सकता है। लेकिन जैसे ही वह आवश्यकता पूर्ण होती है तो दूसरी आवश्यकता पैदा होती है. अथवा वही दोबारा उत्पन्न हो जाती है। दूसरे मनुष्य की		

Teaching Point	Teacher activity	student activity	[illegible]
	आवश्यकताएँ की संतुष्टि के लिए साधन सीमित है, जबकि आवश्यकताएँ अनन्त है।		
आर्थिक समस्या अथवा दुर्लभता की समस्या	सामान्य प्रयोग में दुर्लभता का अर्थ कमी है, परंतु अर्थशास्त्र में इस शब्द का प्रयोग एक विशेष भाव में किया जाता है। अर्थशास्त्र में दुर्लभता एक सापेक्ष संकल्पना है, क्योंकि आर्थिक समस्याओं की जड़ ही दुर्लभता और यह दुर्लभ निरंतर है। केन्द्रीय समस्याओं की जड़ें में दो कारण है:- (i) एक तो साधनों की दुर्लभता (ii) साधनों का वैकल्पिक प्रयोग		
चयन की समस्या	यदि मनुष्य अपनी सभी आवश्यकताओं को संतुष्ट करना चाहे तो वह नहीं कर सकता। अतः उसे निर्णय करना पड़ता है		

कि वह किन आवश्यकताओं को संतुष्ट करेगा, फिर उसी के अनुसार वस्तुओं और सेवाओं का चयन किया जाता है। जिनका उत्पादन किया जाता है। इस प्रकार एक अर्थव्यवस्था में चयन की समस्या, सबसे बुनियादी समस्या है। इस प्रकार साधनों के आवंटन में भी चयन की समस्या होती है। वास्तव में सभी केन्द्रीय समस्याओं के मूल में चयन की समस्या है। एक अर्थव्यवस्था की मूलभूत समस्याएँ बताई गई हैं —

(i) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में।

(ii) कैसे उत्पादन किया जाए।

(iii) उत्पादन किन लोगों के लिए किया जाए।

समस्याओं पर विचार करें तो हमें पता लगेगा कि दुर्लभता या सीमितता ही केन्द्रीय समस्याएं को जन्म देती है।

चयन की समस्या के पहलू

चयन की समस्या के दो पहलू हैं:—

(i) व्यष्टि
(ii) समष्टि

व्यष्टि पहलू के अंतर्गत चयन की समस्या का हल एक व्यक्ति के स्तर पर निर्णय लिया जाता है। जैसे कि क्या उत्पादन करना है और कितना। समष्टि पहलू के अंतर्गत हम सम्पूर्ण देश के स्तर पर यह निर्णय लिया जाता है कि कितना, क्या व किसके लिए उत्पादन किया जाना है।

पुनरावृत्ति :-

(i) अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ कौन-कौन सी हैं?

(ii) चयन की समस्या बताइए?

गृहकार्य :-

अर्थव्यवस्था की समस्या क्या है? सभी समस्याओं का सविस्तार वर्णन करना।

LESSON No. ....

Date..

Duration of the period..

Pupil Teacher's Name ....

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class..

Average Age of the pupils..................................

Subject..

Topic..

Repeat Previouse Lesson 8

Total (20) Lessons

DISCUSSION LESSON

LESSON No. II

Date..........

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name Md. Waliullah

Pupil Teacher's Roll No. ....

Class XI

Average Age of the pupils..........

Subject Economics

Topic मांग का नियम एवं सिद्धांत

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

~~ज्ञानात्मक उद्देश्य~~ :- (i) छात्र मांग का वास्तविक अर्थ समझेंगे।
(ii) छात्र मांग के समाग को जानेंगे।

~~बोधात्मक उद्देश्य~~ :- (i) छात्र मांग की वृद्धि व कमी के बारे में बोध करेंगे।

~~प्रयोगात्मक उद्देश्य~~ :- छात्र इस नियम को प्रयोग करेंगे।

~~कौशलात्मक उद्देश्य~~ :- (i) छात्र मांग के नियम व उसके सिद्धांतों से भली-भाँती परिचित होंगे।
(ii) छात्र इस नियम को लागु कर सकते हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री :-

श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतन बोर्ड।

Previous Knowledge Testing

Teaching activity	Student activity
मांग क्या है?	किसी वस्तु को प्राप्ति की इच्छा मांग है।
मांग का नियम क्या है?	?

उद्देश्य कथन की घोषणा :- विद्यार्थियों! आज हम मांग के नियम व उसके सिद्धांतों का अध्ययन करेंगे

प्रस्तुतीकरण : -

मांग की परिभाषा	मांग की परिभाषा :- किसी वस्तु की एक निश्चित कीमत पर एक उपभोक्ता उसकी जितनी मात्रा खरीदने का इच्छुक है, उसे वस्तु की मांग कहा जाता है। माना कि आइसक्रीम की कीमत 5 Rs है तो उपभोक्ता 5 आइसक्रीम खरीदता है। मांग किसी पदार्थ या वस्तु की वे मात्राएँ हैं, जो अन्य तत्वों के समान रहने पर भी एक उपभोक्ता समूह की एक निश्चित अवधि में विभिन्न कीमतों पर खरीदने के इच्छुक हैं तथा योग्य है:- उदाहरण:- माना 5 Rs की कीमत पर 5 आइसक्रीम की मांग करता है तथा 10 Rs की कीमत पर 4 और 15 Rs की कीमत पर 2 आइसक्रीम की मांग करता है।	मांग की परिभाषा क्या है?

निर्धारक तत्व

एक वस्तु की मांग के तीन निर्धारक तत्व है:-

(i) वस्तु को प्राप्त करने की इच्छुकता

(ii) उस इच्छा को पूरा करने के लिए धन

(iii) धन खर्च के लिए तत्परता

मांग तालिका

मांग तालिका:- वह तालिका जो अन्य बातें समान रहने पर किसी वस्तु की विभिन्न कीमतों तथा उन पर खरीदी गई मात्रा के संबंध को प्रकट करती है।

संपूर्ण व्याख्यान:- वह तालिका जिसमें कीमत तथा खरीदी गई मात्रा के संबंध ~~को~~ संबंध को प्रकट किया है। मांग तालिका कहलाती है।

मांग के निर्धारक तत्व कौन-कौन से है।

मांग तालिका दो प्रकार की होती है :—

(i) व्यक्तिगत मांग तालिका
(ii) बाजार मांग तालिका

व्यक्तिगत मांग तालिका

किसी निश्चित समय में एक व्यक्ति किसी वस्तु की विभिन्न कीमतों पर उसकी जितनी मात्राओं की मांग करेगा उसकी तालिका को व्यक्तिगत मांग तालिका कहते हैं।

प्रति इकाई कीमत	मांगी गई मात्रा
1	5
2	4
3	3
4	2
5	1

हमने देखा जैसे-जैसे कीमत बढ़ रही है वैसे-वैसे मांग कम हो रही है।

व्यक्तिगत मांग तालिका क्या है?

बाजार मांग तालिका क्या है?

बाजार मांग तालिका

किसी वस्तु की उन मात्राओं के रूप में दी जाती है जो उस वस्तु के सब उपभोक्ता निश्चित समय पर समग्र कीमतों पर खरीदेंगा।

वस्तु की कीमत	वस्तु की मांग	वस्तु की मांग	बाजार मांग
x	A	B	3 = 1+2
1	4	5	4+5=9
2	3	4	3+4=7
3	2	3	2×3=5
4	1	2	1+2=3

बाजार में केवल दो उपभोक्ता है, (मान्यता) 'x' की कीमत कम होने पर बाजार की मांग बढ़ती है। जब A की कीमत 1 रु प्रति इकाई है तो उपभोक्ता की मांग 4 आइसक्रीम है। तथा B उपभोक्ता की मांग 5 आइसक्रीम है। अतः बाजार मांग 9 आइसक्रीम है कीमत बढ़ने पर यह 7 आइसक्रीम रह जाती है।

पुनरावृत्ति :-

मांग वक्र द्वारा स्पष्ट करें कि समय के परिवर्तन के साथ बढ़ती तथा कमी होती है।

गृह कार्य :-

(i) मांग क्या है? परिभाषित करें।

(ii) मांग के निर्धारक तत्व कौन-कौन से है?

(iii) मांग वक्र कितने प्रकार का होता है?

OBSERVATION LESSONS

Observation Lesson No.

Date.....................

Duration of the period.....................

Pupil Teacher's Name.....................

Pupil Teacher's Roll No.....................

Class.....................

Average Age of the pupils.....................

Subject.....................

Topic: प्रशिक्षण एवं विकास

(i) श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।

(ii) ~~छात्राध्यापक~~ छात्र अध्यापक में आत्मविश्वास था।

(iii) उपनिषद की घोषणा सही समय पर की गई।

(iv) छात्राध्यापक का का लेख बहुत सुन्दर था।

(v) छात्राध्यापक ने पूर्व ज्ञान-परीक्षा ली।

(vi) व्याख्या सही ढंग से की गई।

(vii) कक्षा में अनुशासन नहीं था।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher

Observation Lesson No.

Date.....................

Duration of the period.....................

Pupil Teacher's Name.....................

Pupil Teacher's Roll No.....................

Class.....................

Average Age of the pupils.....................

Subject.....................

Topic.....................

(i) ~~छात्र~~ अध्यापक में पूर्ण आत्मविश्वास था।

(ii) छात्राध्यापक की आवाज ऊँची व स्पष्ट था।

(iii) व्याख्या स्पष्ट रूप से की गयी।

(iv) पुनरावृत्ति सही ढंग से की गयी।

(v) छात्रों को उचित ढंग से व रूप से गृह कार्य दिया गया।

(vi) बीच-बीच में बच्चों से प्रश्न पूछा गया।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) छात्राध्यापक में आत्मविश्वास था।
(ii) प्रस्तावना की घोषणा सही समय पर की गयी।
(iii) छात्राध्यापक की आवाज ऊँची व स्पष्ट थी।
(iv) श्यामपट्ट का प्रयोग ठीक ढंग से किया गया।
(v) कक्षा में पूर्ण अनुशासन था।
(vi) छात्रों को गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) पूर्व ज्ञान परीक्षा सही ढंग से ली गई।
(ii) आवाज ऊँची व स्पष्ट थी।
(iii) पुनरावृत्ति सही ढंग से ली गयी।
(iv) बच्चों को गृह कार्य दिया गया।
(v) कक्षा में पूर्ण अनुशासन था।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) छात्राध्यापक में पूर्ण रूप से विश्वास था।
(ii) उद्देश्य की घोषणा सही समय पर की गई।
(iii) श्यामपट्ट का प्रयोग किया गया।
(iv) आलोचना सही ढंग से की गयी।
(v) कक्षा में अनुशासन नहीं था।
(vi) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) आवाज में उतार-चढ़ाव था।
(ii) कक्षा में नियंत्रण था।
(iii) पुनरावृत्ति की गयी।
(iv) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) आवाज में उतार-चढ़ाव था।
(ii) कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
(iii) श्यामपट्ट कार्य अच्छा था।
(iv) विद्यार्थियों का सहयोग प्राप्त था।
(v) पुनरावृत्ति की गई
(vi) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) छात्राध्यापक ने उद्देश्यों को प्राप्त करने में की
(ii) विद्यार्थियों के लिए रोचक था।
(iii) कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
(iv) श्यामपट्ट कार्य अच्छा था।
(v) पुनरावृत्ति की गई
(vi) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) आवाज में उतार-चढ़ाव था।
(ii) कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
(iii) श्यामपट्ट का कार्य अच्छा था।
(iv) पुनरावृत्ति की गई।
(v) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher

Observation Lesson No.

Date.. Duration of the period..

Pupil Teacher's Name .... Pupil Teacher's Roll No. ....

Class.. Average Age of the pupils..

Subject.. Topic..

(i) आवाज में उतार-चढ़ाव था।
(ii) कक्षा-कक्ष में नियंत्रण था।
(iii) विद्यार्थियों का सहयोग प्राप्त था।
(iv) पुनरावृत्ति की गई।
(v) गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Supervisor

Sign. of Pupil Teacher